Disposal of claims received by Railways

5790. SHRI VIRENDRA KATARIA: Will the Minister of RAILWAYS be pleassd to state:

(a) the number of claims received by the Indian Railways, Zonewise. for the loss of goods booked with the Railways, either on the godowns or during transit during 1993-94, month-wise;

(b) the number of claims found to be bogus out of them;

(c) the number of cases decided and the amount of compensation paid; and

(d) the number of claims pending for more than six months as on 31st March, 1994 and the reasons for delay in their disposal ?

THEfMINISTER OF RAILWAYS (SHRI C K. JAFFER SHA-RIEF): (a) A statement is given in Annexure *[See* Appendix 170, Annexure No. 116].

(b) One only.

(c) 71,432 cases have been decided and an amount of Rs. 25.43 crores paid by all Railways.

(d) 90 claims cases are pending for more than six months as on 31-3-94 on all Railways for non-submission of documents by clai mants.

रेलवे नेटवर्क के अंतर्गत विस्तारण और विकास के लिए निर्धारित लक्ष्य

5791 श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1993-94 और 1994-95 के वर्षों के लिए रेलवे नेटवर्क के अंतर्गत विस्तारण और विकास के लिए सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के संबंध में प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) इस संबंध में राज्य-सरकारों द्वारा कितने अभ्यावेदन दिए गए हैं ;

(ग) क्या 31 जनवरी, 1994 तक इस संबंध में कुछ प्रगति हुई है ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ.) यदि नहीं, तो इसके कारण क्या हैं ?

रेल मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ): (क) एक विवरण संलग्न है । (नीचे देखिए) ।

(ख) केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा मध्य प्रदेश, असम और उड़ीसा की राज्य सरकारों से दस ।

(ग) जी हां ।

(घ) राज्य सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों में से निम्नलिखित निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं :—

1. शोरानूर-कालीकट का दोहरीकरण ।

2. राजकोट-वेरायल का सामान परिवर्तन ।

3. खोरधा रोड-बोलंगीर का निर्माण शुरू कर दिया गया है ।

4. औरंगाबाद-पर्लीवैजनाथ और परभनी से आदिलाबाद तक के आमान परिवर्तन को उच्च प्राथमिकता दी गई है ।

5. राजपुरा-चंडीगढ़ लाइन के सर्वेक्षण को उच्च प्राथमिकता दी गई है ।

6. पलवल-खुर्जा-सोहना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र लाइन के सर्वेक्षण को उच्च प्राथमिकता प्रदान की गई है ।

(ङ.) प्रश्न नहीं उठता ।

विवरण

I. 1993–94 में किया गया रेलवे नेटवर्क का विस्तार इस प्रकार है :–

क्रम सं०	रेलवे	खंड का नाम	कि०मी०
(क) खोली गई नई लाइनें :			
1.	मध्य	डीग-अलवर	79
2.	पूर्वोत्तर	रुद्रपुर-काठगोदाम	14
3.	दक्षिण	चित्रदुर्ग-रायदुर्ग	100
4.	दक्षिण पूर्व	संबलपुर-मानेश्वर	18
		जोड़ :	211
(ख) अमान परिवर्तन करके खोल दिया गया :			
1.	मध्य	दौंड-बारामती	42
2.	उत्तर	भटिंडा-हिसार	157
3.		फुलेरा-जोधपुर-भगत की कोठी	261
4.		पटेलनगर-सरायरोहल्ला	3
5.		मेड़ता रोड़-मेड़ता सिटी	15
6.	पूर्वोत्तर	महमूदाबाद-बुढ़वल	60
7.		वाराणसी-इलाहाबाद	126
8.		लखनऊ-मानकनगर	5
9.		लालकुआं-काठगोदाम	29
10.	पूर्वोत्तर सीमा	गुवाहटी-लमडिंग	181
11.	दक्षिण	तुमकुर-चिकजाजूर	215
12.		चित्रदुर्ग-चिकजाजूर	16
13.		मैसूर-अशोक पुरम्	5
14.		ताम्बरम्-तांबूर	27
15.	दक्षिण मध्य	नरसारावपेट-डोनकोन्डा	75
16.		जालना-परभनी	116
17.		फलकनुमा-सिकंदराबाद	28
18.		फलकनुमा-महबूबनगर	99
19.		बोलाराम-सिकंदराबाद	14
20.	दक्षिण पूर्व	गोंदिया-अर्जुनी	82
21.	पश्चिम	जयपुर-फुलेरा	95
22.		जयपुर-दुर्गापुरा	8
		जोड़ :	161

II. 1994–95 के लिए रेलवे नेटवर्क के विस्तार के लक्ष्य इस प्रकार हैं :—

क्रम सं०	खंड/लाइन का नाम	लंबाई (कि०मी०)
	(क) नई लाइनें :	
1.	पनवेल-करजत-भूमि अधिग्रहण	—
2.	शनिचरा-मोनेरा	13
3.	कुल्पी-निश्चिंतपुर	13
4.	व्यास-गोंइदवाल	27
5.	लक्ष्मीपुर-रायगदा	102
	जोड़ :	155
	(ख) आमाप परिवर्तन :	
1.	हिसार-रेवाड़ी	143
2.	फुलेरा-मारवाड़	219
3.	रेवाड़ी-जयपुर	225
4.	जोधपुर-जैसलमेर	295
5.	चिकजाजुर-हरिहर और हरिहर-हुबली	129
6.	हुबली-लोंडा	93
7.	लोंडा-मिरज	188
8.	हुबली-हासपेट	143
9.	डोनाकोन्डा-गिद्दलूर	84
10.	बिरूर-शिमोगा	63
11.	परभनी-पूर्णा	29
12.	अर्जुनी-वडसा	23
13.	मुजफ्फरपुर-रक्सौल	129
	जोड़ :	1763